भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
06.08.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2954 का उत्तर

पंजाब में लंबित/चल रही रेल परियोजनाएं

2954. श्री मलविंदर सिंह कंग:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पंजाब राज्य में लंबित और चल रही रेल परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इन परियोजनाओं के समय और लागत में वृद्धि हुई है;

(ग) यदि हाँ, तो इन परियोजनाओं की मूल अनुमानित लागत, पूरा होने की अवधि, कुल अनुमानित लागत और संबंधित व्यय का ब्यौरा क्या है; और

(घ) इन परियोजनाओं के कब तक पूरा होने और चालू होने की संभावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): पंजाब राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा संबंधी कार्यों हेतु बजट आबंटन उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। इसका विवरण निम्नानुसार हैः-

अवधि	परिव्यय
2009-14	225 करोड़ रु./वर्ष
2025-26	5,421 करोड़ रु. (24 गुना से अधिक)

वर्ष 2009-14 और 2014-25 के दौरान पंजाब राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथ के कमीशन होने/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	147 किमी	29.4 किमी/वर्ष
2014-25	385 किमी	35 किमी/वर्ष

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, पंजाब राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली 21,926 करोड़ रुपए की लागत वाली कुल 714 किलोमीटर लंबाई की 09 रेल परियोजनाएं (04 नई लाइन और 05 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं, जिनमें से मार्च, 2025 तक 115 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और 8079 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। कार्य की संक्षिप्त स्थिति निम्नानुसार है:

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2025 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	4	252	64	7359
दोहरीकरण	5	462	51	720
कुल	9	714	115	8079

पंजाब राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली तथा हाल ही में पूरी हुई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

#	परियोजना	कुल लंबाई (कि.मी)	लागत (करोड़ रुपए में)
1	जाखल-मानसा दोहरीकरण	45	163
2	अम्बाला-चंडीगढ़ दोहरीकरण	45	338
3	मानसा-भटिंडा दोहरीकरण	52	216
4	जालंधर-जम्मू तवी दोहरीकरण	211	850
5	राजपुरा-बठिंडा दोहरीकरण	173	2,459

इसके अलावा, पंजाब में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं जो शुरू की गई हैं, वे इस प्रकार हैं:

#	परियोजना	कुल लंबाई (किमी)	लागत (करोड़ रुपए में)
1	नंगल डैम-तलवाड़ा नई लाइन	123	2,018
2	भानुपल्ली-बेरी नई लाइन	63	6,753
3	फिरोजपुर-पट्टी नई लाइन	26	300
4	लुधियाना-किला रायपुर दोहरीकरण	17	238
5	लुधियाना-मुल्लांपुर दोहरीकरण	21	295
6	अलाल-हिम्मताना कॉर्ड लाइन	12	174

भारत सरकार परियोजनाओं के निष्पादन के लिए पूरी तरह तैयार है, तथापि इनकी सफलता पंजाब सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है। उदाहरण के लिए, भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार है: -

क्र. सं.	परियोजना का नाम	कुल अपेक्षित भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत भूमि (हेक्टेयर में)	अधिग्रहण हेतु शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1.	फिरोजपुर-पट्टी नई लाइन	166	0	166
2.	नंगल डैम-तलवाड़ा नई लाइन	278	189	89
3.	अलाल-हिम्मताना कॉर्ड लाइन	20	0	20

फिरोजपुर-पट्टी नई लाइन (26 कि.मी.) परियोजना पाकिस्तान की अंतर्राष्ट्रीय सीमा के निकट एक महत्वपूर्ण परियोजना है। इस परियोजना के लिए पंजाब राज्य द्वारा निःशुल्क भूमि प्रदान की जानी है। फिरोजपुर और तरन तारन जिलों में कुल 166 हेक्टेयर भूमि अधिगृहीत की जानी है। संपूर्ण भूमि के लिए मार्च, 2023 में अधिनिर्णय प्रकाशित किया गया था। बहरहाल, राज्य

सरकार द्वारा अधिनिर्णय के अनुसार मुआवजे का संवितरण नहीं किया गया है। राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण में देरी के कारण परियोजना अभी तक शुरू नहीं हो पाई है।

रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृत/निष्पादन क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है, न कि राज्य/ज़िला-वार, क्योंकि रेल परियोजनाएँ राज्य/ज़िले की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। पंजाब राज्य में रेल अवसंरचना परियोजनाएँ भारतीय रेल के उत्तर रेलवे ज़ोन के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाता है।.

इसके अलावा, पंजाब में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले कुछ महत्वपूर्ण सर्वेक्षण कार्य, जो शुरू किए गए हैं, वे इस प्रकार हैं:

#	सर्वेक्षण का नाम	लंबाई (किमी)
1	बद्दी-घनौली नई लाइन	25
2	सरहिंद-मोरिंडा-नांगल -डैम का दोहरीकरण	103
3	अम्बाला कैंट-जम्मू तवी तीसरी लाइन	369
4	गुरदासपुर-मुकेरियां नई लाइन	30
5	राजपुरा-मोहाली नई लाइन	18

रेल परियोजनाएं लाभप्रदता, यातायात अनुमानों, अंतिम छोर संपर्कता, मिसिंग लिंक एवं वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन, राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, धार्मिक एवं पर्यटक स्थलों से संपर्कता सहित सामाजिक-आर्थिक महत्व आदि के आधार पर स्वीकृत की जाती हैं, जो चालू परियोजनाओं के थ्रोफॉरवर्ड तथा निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

किसी भी रेल परियोजना का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के अधिकारियों द्वारा वन संबंधी स्वीकृति, लागत साझेदारी परियोजनाओं में राज्य सरकार द्वारा लागत में हिस्सेदारी जमा करना, परियोजनाओं की प्राथमिकता, अतिलंघनकारी जनोपयोगिताओं की शिफ्टिंग, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक स्थितियां, परियोजना(ओं) के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है।

*****